वि.सं. 2035 ग्रुप रहा विजेता

महात्मा महाप्रज्ञ क्वीज प्रतियोगिता आयोजित

सरदारशहर 27 अगस्त, 2010।

गुरुवार रात्रि में जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा द्वारा आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में मुनि जयंतकुमार एवं मुनि भव्यकुमार के निर्देशन में महात्मा महाप्रज्ञ क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। मानवता के मसीहा आचार्य महाप्रज्ञ को अनुपम श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित इस प्रतियोगिता को रोचक एवं विविधता प्रदान करने के लिए विशेष आमंत्रित भीलवाड़ा के गीतकार एवं संगायक संजय भानावत ने प्रत्येक राउंड के बाद सुमधुर कण्ठों से गीतों की प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में 82 व्यक्तियों ने आवेदन किया। जिनसे प्रवेश परीक्षा माध्यम से 15 जनों को मुख्य राउण्ड के लिए चयनित किया गया। नया चिंतन नया अन्दाज की तर्ज पर चले चार राउंडों में प्रतिभोगियों एवं दर्शकों का उत्साह और जोश देखते ही बन रहा था। आचार्य महाप्रज्ञ के जीवन की अति विशिष्ट घटनाओं से जुड़े विक्रम संवतों पर बने 5 ग्रुपों में जो भी राउंड टोपर करता उसका ओम अर्हम् की ध्वनि के साथ स्वागत किया गया। आचार्य महाश्रमण द्वारा लिखित महात्मा महाप्रज्ञ पुस्तक से बने प्रश्नों के उत्तरों को सुनकर ऐसा अहसास हो रहा था कि प्रतियोगियों ने क्वीज के स्लोगन पुरुषार्थ से भाग्य जगाएं कोई चमत्कार कर दिखाएं को आत्मसात कर लिया है। प्रतियोगिता में वि.सं. 2035 ग्रुप के चन्द्रप्रकाश सेठिया, सूरज बैद, ऋषभ छाजेड़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वि.सं. 1987 ग्रुप के ज्योति दफ्तरी, ज्योति गधैया, पायल चण्डालिया ने द्वितीय एवं वि.सं. 1977 के कविता बुच्चा, मधु छलाणी, निर्मला बैद को तृतीय स्थान मिला। अन्य दोनों ग्रुपां को प्रोत्साहन पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा ने बताया कि प्रतियोगियों को रविवार को प्रात:काल के कार्यक्रम में पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। प्रतियोगिता के प्रथम राउण्ड का संचालन स्वाति गधैया ने, द्वितीय राउण्ड का मुकेश चण्डालिया ने, तृतीय का प्रज्ञा छाजेड़ एवं प्रेक्षा सेठिया ने एवं चतुर्थ राउंड का उषा दुगड़ एवं रीतिका दुगड़ ने किया। सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा ने स्वागत भाषण दिया। प्रतियोगिता के प्रायोजक रतनलाल दफ्तरी ने विशेष आमंत्रित संगायक संजय भानावत का मोमेन्टो द्वारा सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती निशा सेठिया ने किया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में सभा के मंत्री करणीदान चिण्डालिया, उपाध्यक्ष पीरदान बरमेचा, प्रतियागिता संयोजक तेजकरण भंसाली व चम्पालाल भंसाली, पीयुष कुण्डलिया, शुभम बरड़िया, मनन बरड़िया, विकास दुगड़ आदि ने श्रम एवं समय नियोजित किया। इस कार्यक्रम के प्रायोजक श्री रतनलाल आनन्दकुमार दफ्तरी पटियाला-सरदारशहर थे।

- शीतल बरड़िया (मीडिया संयोजक)